

શનિ અષ્ટોત્તરશતનામાવલી

{ શનિ અષ્ટોત્તરશતનામાવલી }

શનિ બીજ મન્ત્ર -

ૐ પ્રૌ પ્રી પ્રૌ સઃ શનૈશ્ચરાય નમઃ ॥

ૐ શનૈશ્ચરાય નમઃ ॥

ૐ શાન્તાય નમઃ ॥

ૐ સર્વાભીષ્ટપ્રદાયિને નમઃ ॥

ૐ શરણ્યાય નમઃ ॥

ૐ વરેણ્યાય નમઃ ॥

ૐ સર્વેશાય નમઃ ॥

ૐ સૌમ્યાય નમઃ ॥

ૐ સુરવન્ધાય નમઃ ॥

ૐ સુરલોકવિહારિણે નમઃ ॥

ૐ સુખાસનોપવિષ્ઠાય નમઃ ॥ ૧૦

ॐ सुन्दराय नमः ॥

ॐ धनाय नमः ॥

ॐ धनरूपाय नमः ॥

ॐ धनाभरशधारिणे नमः ॥

ॐ धनसारविदेपाय नमः ॥

ॐ भद्रोत्ताय नमः ॥

ॐ मन्त्राय नमः ॥

ॐ मन्त्रेष्टाय नमः ॥

ॐ मङ्गीयगुणात्मने नमः ॥

ॐ मर्त्यपावनपद्माय नमः ॥ २०

ॐ महेशाय नमः ॥

ॐ छायापुत्राय नमः ॥

ॐ शर्वाय नमः ॥

ॐ शततूणीरधारिणे नमः ॥

ॐ यरस्थिरस्वभावाय नमः ॥

ॐ अचञ्चलाय नमः ॥

ॐ नीलवर्णाय नमः ॥

ॐ नित्याय नमः ॥

ॐ नीलाञ्जननिभाय नमः ॥

ॐ नीलाम्बरविभूषणाय नमः ॥ ३०

ॐ निश्चलाय नमः ॥

ॐ वेद्याय नमः ॥

ॐ विधिज्ञाय नमः ॥

ॐ विरोधाधारभूमये नमः ॥

ॐ भेदस्पष्टस्वभावाय नमः ॥

ॐ वज्रदेहाय नमः ॥

ॐ वैराग्यदाय नमः ॥

ॐ वीराय नमः ॥

ॐ वीतरोगभयाय नमः ॥

ॐ विपत्परम्परेशाय नमः ॥ ४०

ॐ विश्ववन्द्याय नमः ॥

ॐ गृध्नवाढाय नमः ॥

ॐ गूढाय नमः ॥

ॐ कूर्माङ्गाय नमः ॥

ॐ कुङ्कुमिण्यो नमः ॥

ॐ कुत्सिताय नमः ॥

ॐ गुणालयाय नमः ॥

ॐ गोचराय नमः ॥

ॐ अविद्यामूलनाशाय नमः ॥

ॐ विद्याविद्यास्वरूपिणे नमः ॥ ५०

ॐ आयुष्यकारणाय नमः ॥

ॐ आपद्दुर्त्रे नमः ॥

ॐ विष्णुभक्त्याय नमः ॥

ॐ वशिने नमः ॥

ॐ विविधागमवेदिने नमः ॥

ॐ विधिस्तुत्याय नमः ॥

ॐ वन्द्याय नमः ॥

ॐ विज्ञाक्षाय नमः ॥

ॐ वरिष्ठाय नमः ॥

ॐ गरिष्ठाय नमः ॥ ५०

ॐ वज्राङ्कुशधराय नमः ॥

ॐ वरदाभयहस्ताय नमः ॥

ॐ વામનાય નમઃ ॥

ॐ જ્યેષ્ઠાપત્નીસમેતાય નમઃ ॥

ॐ શ્રેષ્ઠાય નમઃ ॥

ॐ મિતભાષિણે નમઃ ॥

ॐ કષ્ટૌઘનાશકર્ત્રે નમઃ ॥

ॐ પુષ્ટિદાય નમઃ ॥

ॐ સ્તુત્યાય નમઃ ॥

ॐ સ્તોત્રગમ્યાય નમઃ ॥ ૭૦

ॐ ભક્તિવશ્યાય નમઃ ॥

ॐ ભાનવે નમઃ ॥

ॐ ભાનુપુત્રાય નમઃ ॥

ॐ ભવ્યાય નમઃ ॥

ॐ પાવનાય નમઃ ॥

ॐ धनुर्माण्डलसंस्थाय नमः ॥

ॐ धनद्वय नमः ॥

ॐ धनुष्मते नमः ॥

ॐ तनुप्रकाशदेहाय नमः ॥

ॐ तामसाय नमः ॥ ८०

ॐ अशेषजनवन्द्याय नमः ॥

ॐ विशेशकुलद्वयिने नमः ॥

ॐ वशीकृतजनेशाय नमः ॥

ॐ पशूनां पतये नमः ॥

ॐ ज्ञेयराय नमः ॥

ॐ जगेशाय नमः ॥

ॐ धननीलाम्बराय नमः ॥

ॐ કાઠિન્યમાનસાય નમઃ ॥

ॐ आर्यगणस्तुत्याय नमः ॥

ॐ नीलच्छत्राय नमः ॥ ८०

ॐ नित्याय नमः ॥

ॐ निर्गुणाय नमः ॥

ॐ गुणात्मने नमः ॥

ॐ निरामयाय नमः ॥

ॐ निन्धाय नमः ॥

ॐ वन्दनीयाय नमः ॥

ॐ धीराय नमः ॥

ॐ दिव्यदेहाय नमः ॥

ॐ दीनार्तिहरणाय नमः ॥

ॐ दैन्यनाशकराय नमः ॥ १००

ॐ आर्यजनगणाय नमः ॥

ॐ कूराय नमः ॥

ॐ कूरयेष्टाय नमः ॥

ॐ कामक्रोधकराय नमः ॥

ॐ कलत्रपुत्रशत्रुत्वकारणाय नमः ॥

ॐ परिपोषितभक्ताय नमः ॥

ॐ परमीतिहराय नमः ॥

ॐ भक्तसंघमनोऽभीष्टफलदाय नमः ॥

॥ इति शनि अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णम् ॥

Propitiation of Saturn (Saturday)

CHARITY: Donate leather, farm land, a black cow, a cooking oven with cooking utensils, a buffalo, black mustard or black sesamum seeds, to a poor man on Saturday evening.

FASTING: On Saturday during Saturn transits, and especially major or minor Saturn periods.

MANTRA: To be chanted on Saturday, two hours and forty minutes before sunrise, especially

during major or minor Saturn periods:

RESULT: The planetary diety Shani is

propitiated insuring victory in quarrels,

over coming chronic pain, and bringing

success to those engaged in the iron or steel trade.

Transliteration and information by

Dr. S. Kalyanaraman kalyan97@yahoo.com

Proofread by Detlef Eichler DetlefEichler(@at)gmx.net

More information <http://members.tripod.com/~navagraha>

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated ८oday

<http://sanskritdocuments.org>

Shani Ashtottara Shatanamavali Lyrics in Gujarati PDF

% File name : shani108.itx

% Category : aShTottaraShatanAmAvalI

% Location : doc_z_misc_navagraha

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/religion

% Transliterated by : Dr. S. Kalyanaraman (kalyan97 at yahoo.com)

% Proofread by : Dr. S. Kalyanaraman (kalyan97 at yahoo.com), Detlef Eichler DetlefEichler at gmx.net

% Description-comments : 108 names for shani

% Source : Ashtoththara Shathanamavali Shatakam, Edited by R.M uralikrishna Srowthigal, Published by VIDVATH SABHA, Chennai - 600073

% Latest update : Jan 25, 1998, June 3, 2007

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.
Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [October 13, 2015] at Stotram Website